>

Title: Need to accord approval to set up Thermal Power Plants in Bihar utilizing the water of river Ganga.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): सभापति जी, बिहार राज्य के प्रति जो जटिल समस्या बनती जा रही है, मैं उसकी तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। गंगा नदी एक अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय नदी है, लेकिन लीन पीरियड में गंगा के लोअर राइपेरियन राज्य हैं, उन्हें पानी लेने के लिए रोका जा रहा है। गंगा या हिमालय रीज़न से निकलने वाली जितनी भी नदियां हैं, उनसे आनी वाली बाढ़ को बिहार को झेलना पड़ता है। ऐसे समय में जब बिहार में पानी की कमी होती है, तब गंगा नदी से ही नहीं, गंगा बेसिन की नदियों से पानी लेने से रोका जा रहा है। हमारी विकास की सारी योजनाएं रुक रही हैं। हमारे थर्मल पावर्स को इसलिए क्लियरेंस नहीं मिल पा रहा है क्योंकि गंगा नदी से पानी नहीं लेना है। गंगा नदी का पानी अंतर्राष्ट्रीय समझौते का हिस्सा बन चुका है। जब बंगलादेश और भारत में समझौता हो रहा था, उस समय हम लोगों ने इस सवाल का उठाया था कि गंगा नदी से पानी बिहार को मिलना चाहिए। उस समय वाटर रिसोर्सिज़ मिनिस्टर ने बिहार को आश्वासन दिया था कि बिहार के हिस्से का पानी फरक्का के लिए नहीं रोका जाएगा।

लेकिन आज जब हमें थर्मल पॉवर इंस्टॉल करना है, चाहे वह भारत सरकार के द्वारा हो या एनटीपीसी के द्वारा हो, या बिहार राज्य के द्वारा हो, तब गंगा के पानी को कहा जा रहा है कि इसमें बिहार की हिस्सेदारी रही है।

महोदय, बिहार के साथ इससे बड़ी ज्यादती नहीं हो सकती है। भारत के सारे अपर रैपीरियन स्टेट्स से जो पानी आता है, वह हमारी बाढ़ का कारण बनता है। टेहरी में बांध बन गया, वहां पानी रोका जा रहा है, जो डाइवर्जन सिस्टम है, उससे ऊपर के राज्य पानी को ले रहे हैं लेकिन जहां गंगा बेसिन की हमारी जो बड़ी-बड़ी नदियां हैं, जो गंगा में पानी देने का काम करती हैं, उस पानी से भी हमें वंचित किया जा रहा है। इसका मुख्य कारण है कि गंगा की जितनी सहायक नदियां हैं, उन्हें जितना गंगा में अंशदान करना है, वे अंशदान नहीं कर पा रही हैं। इस पर भारत सरकार का दबाव नहीं पड़ पा रहा है। इसलिए भारत सरकार गंगा के पानी को रेगुलेट करे और गंगा नदी से बिहार को पानी लेने के लिए अनुमति दे ताकि बिहार की सिंचाई, थर्मल, बिजली योजनाएं चल सकें। यही मांग मैं भारत सरकार से आपके माध्यम से करता हूं।

MR. CHAIRMAN : The Lok Sabha stands adjourned to meet tomorrow at 11.00 A.M.

18.32 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Wednesday, December 02, 2009/Agrahayana 11, 1931 (Saka).